

Shiva Chalisa | शिव चालीसा

Shiva Chalisa in Hindi:-

॥ दोहा ॥

जय गणेश गिरिजा सुवन, मंगल मूल सुजान ।
कहत अयोध्यादास तुम, देहु अभय वरदान ॥

॥ चौपाई ॥

जय गिरिजा पति दीन दयाला । सदा करत सन्तन प्रतिपाला ॥
भाल चन्द्रमा सोहत नीके । कानन कुण्डल नागफनी के ॥
अंग गौर शिर गंग बहाये । मुण्डमाल तन क्षार लगाए ॥
वस्त्र खाल बाघम्बर सोहे । छवि को देखि नाग मन मोहे ॥
मैना मातु की हवे दुलारी । बाम अंग सोहत छवि न्यारी ॥
कर त्रिशूल सोहत छवि भारी । करत सदा शत्रुन क्षयकारी ॥
नन्दि गणेश सोहै तहँ कैसे । सागर मध्य कमल हैं जैसे ॥
कार्तिक श्याम और गणराऊ । या छवि को कहि जात न काऊ ॥
देवन जबहीं जाय पुकारा । तब ही दुख प्रभु आप निवारा ॥
किया उपद्रव तारक भारी । देवन सब मिलि तुमहिं जुहारी ॥
तुरत षडानन आप पठायउ । लवनिमेष महँ मारि गिरायउ ॥
आप जलंधर असुर संहारा । सुयश तुम्हार विदित संसारा ॥
त्रिपुरासुर सन युद्ध मचाई । सबहिं कृपा कर लीन बचाई ॥
किया तपहिं भागीरथ भारी । पुरब प्रतिज्ञा तासु पुरारी ॥
दानिन महँ तुम सम कोउ नाहीं । सेवक स्तुति करत सदाहीं ॥
वेद माहि महिमा तुम गाई । अकथ अनादि भेद नहिं पाई ॥
प्रकटी उदधि मंथन में ज्वाला । जरत सुरासुर भए विहाला ॥
कीन्ही दया तहं करी सहाई । नीलकण्ठ तब नाम कहाई ॥
पूजन रामचन्द्र जब कीन्हा । जीत के लंक विभीषण दीन्हा ॥
सहस कमल में हो रहे धारी । कीन्ह परीक्षा तबहिं पुरारी ॥
एक कमल प्रभु राखेउ जोई । कमल नयन पूजन चहं सोई ॥

कठिन भक्ति देखी प्रभु शंकर । भए प्रसन्न दिए इच्छित वर ॥
जय जय जय अनन्त अविनाशी । करत कृपा सब के घटवासी ॥
दुष्ट सकल नित मोहि सतावै । भ्रमत रहौ मोहि चैन न आवै ॥
त्राहि त्राहि मैं नाथ पुकारो । येहि अवसर मोहि आन उबारो ॥
लै त्रिशूल शत्रुन को मारो । संकट ते मोहि आन उबारो ॥
मात-पिता भ्राता सब होई । संकट में पूछत नहीं कोई ॥
स्वामी एक है आस तुम्हारी । आय हरहु मम संकट भारी ॥
धन निर्धन को देत सदा हीं । जो कोई जांचे सो फल पाहीं ॥
अस्तुति केहि विधि करैं तुम्हारी । क्षमहु नाथ अब चूक हमारी ॥
शंकर हो संकट के नाशन । मंगल कारण विघ्न विनाशन ॥
योगी यति मुनि ध्यान लगावैं । शारद नारद शीश नवावैं ॥
नमो नमो जय नमः शिवाय । सुर ब्रह्मादिक पार न पाय ॥
जो यह पाठ करे मन लाई । ता पर होत है शम्भु सहाई ॥
ऋनियां जो कोई हो अधिकारी । पाठ करे सो पावन हारी ॥
पुत्र होन कर इच्छा जोई । निश्चय शिव प्रसाद तेहि होई ॥
पण्डित त्रयोदशी को लावे । ध्यान पूर्वक होम करावे ॥
त्रयोदशी व्रत करै हमेशा । ताके तन नहीं रहै कलेशा ॥
धूप दीप नैवेद्य चढ़ावे । शंकर सम्मुख पाठ सुनावे ॥
जन्म जन्म के पाप नसावे । अन्त धाम शिवपुर में पावे ॥
कहैं अयोध्यादास आस तुम्हारी । जानि सकल दुःख हरहु हमारी ॥

॥ दोहा ॥

नित्त नेम उठि प्रातः ही, पाठ करो चालीसा ।
तुम मेरी मनोकामना, पूर्ण करो जगदीश ॥
मगसिर छठि हेमन्त ऋतु, संवत चौसठ जान ।
स्तुति चालीसा शिवहि, पूर्ण कीन कल्याण ॥

Shiva Chalisa in English:-

|| Dohaa ||

Jai Ganesh Girija Suvan, Mangal Mul Sujan |
Kahat Ayodhya Das, Tum Dey Abhaya Varadan | |

|| Choupayi ||

Jai Girija Pati Dinadayala | Sada Karat Santan Pratipala | |
Bhala Chandrama Sohat Nike | Kanan Kundal Nagaphani Ke | |

Anga Gaur Shira Ganga Bahaye | Mundamala Tan Chhara Lagaye | |
Vastra Khala Baghambar Sohain | Chhavi Ko Dekha Naga Muni Mohain | |

Maina Matu Ki Havai Dulari | Vama Anga Sohat Chhavi Nyari | |
Kara Trishul Sohat Chhavi Bhari | Karat Sada Shatrun Chhayakari | |

Nandi Ganesh Sohain Tahan Kaise | Sagar Madhya Kamal Hain Jaise | |
Kartik Shyam Aur Gana rauo | Ya Chhavi Ko Kahi Jata Na Kauo | |

Devan Jabahi Jaya Pukara | Tabahi Dukha Prabhu Apa Nivara | |
Kiya Upadrav Tarak Bhari | Devan Sab Mili Tumahi Juhari | |

Turata Shadanana Apa Pathayau | Luv nimesh Mahi Mari Girayau | |
Apa Jalandhara Asura Sanhara | Suyash Tumhara Vidit Sansara | |

Tripurasur Sana Yudha Machai | Sabhi Kripakar Lina Bachai | |
Kiya Tapahin Bhagiratha Bhari | Purahi Pratigya Tasu Purari | |

Darpa chod Ganga thabb Aayee | Sevak Astuti Karat Sadahin | |
Veda Nam Mahima Tav Gai | Akatha Anandi Bhed Nahin Pai | |

Pragati Udadhi Mantan te Jvala | Jarae Sura-Sur Bhaye bihala | |
Mahadev thab Kari Sahayee, | Nilakantha Tab Nam Kahai | |

Pujan Ramchandra Jab Kinha | Jiti Ke Lanka Vibhishan Dinhi | |
Sahas Kamal Men Ho Rahe Dhari | Kinha Pariksha Tabahin Purari | |

Ek Kamal Prabhu Rakheu goyee | Kushal-Nain Pujan Chahain Soi | |
Kathin Bhakti Dekhi Prabhu Shankar | Bhaye Prasanna Diye-Ichchhit Var | |

Jai Jai Jai Anant Avinashi | Karat Kripa Sabake Ghat Vasi | |
Dushta Sakal Nit Mohin Satavai | Bhramat Rahe Man Chain Na Avai | |

Trahi-Trahi Main Nath Pukaro | Yahai Avasar Mohi Ana Ubaro | |
Lai Trishul Shatrun Ko Maro | Sankat Se Mohin Ana Ubaro | |

Mata Pita Bhrata Sab Hoi | Sankat Men Puchhat Nahin Koi | |
Swami Ek Hai Asha Tumhari | Ai Harahu Ab Sankat Bhari | |

Dhan Nirdhan Ko Deta Sadahin | Arat jan ko peer mitaee | |
Astuti Kehi Vidhi Karai Tumhari | Shambhunath ab tek tumhari | |

Dhana Nirdhana Ko Deta Sadaa Hii | Jo Koi Jaanche So Phala Paahiin | |
Astuti Kehi Vidhi Karon Tumhaarii | Kshamahu Naatha Aba Chuuka Hamaarii | |

Shankar Ho Sankat Ke Nashan | Vighna Vinashan Mangal Karan | |
Yogi Yati Muni Dhyan Lagavan | Sharad Narad Shisha Navavain | |

Namo Namoo Jai Namah Shivaya | Sura Brahmadi Par Na Paya | |
Jo Yah Patha Karai Man Lai | To kon Hota Hai Shambhu Sahai | |

Riniyan Jo Koi Ho Adhikari | Patha Karai So Pavan Hari | |
Putra-hin Ichchha Kar Koi | Nischaya Shiva Prasad Tehin Hoi | |

Pandit Trayodashi Ko Lavai | Dhyan-Purvak Homa Karavai | |
Trayodashi Vrat Kare Hamesha | Tan Nahin Take Rahe Kalesha | |

Dhuupa Diipa Naivedya Chadhaave | Shankara Sammukha Paatha Sunaave | |
Janma Janma Ke Paapa Nasaave | Anta Dhaama Shivapura Men Paave | |

||Dohaa||

Nitya Nema kari Pratahi | Patha karau Chalis | |
Tum Meri Man Kamana | Purna Karahu Jagadisha | |
Magsir Chathi Hemant Riitu | Sanvat Chousadh Jaan | |
Stuti Chalisa Shivhin | Purn keen Kalyaan | |

According to Hindu Mythology chanting of **Shiva Chalisa** regularly is the most powerful way to please God Shiva and get his blessing.

How to chant Shiva Chalisa

To get the best result you should do recitation of Shiva Chalisa early morning after taking bath and in front of God Shiva Idol or picture. You should first understand the Shiva Chalisa meaning in hindi to maximize its effect.

Benefits of Shiva Chalisa

Regular recitation of Shiva Chalisa gives peace of mind and keeps away all the evil from your life and makes you healthy, wealthy and prosperous.